GW-513
65-70 q/ha.

कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन
गेहूं HI-1544 12.0
गेहूं GW-513 7.5
गेहूं HI-8759 4.0
गेहूं HI-1634
गेहूं HI-1636
गेहूं GW-322 5.0
गेहूं HI-1650 0.5

चिया
सीड
KVK
RAISEN

कीट व रोग प्रबंधन तकनीक
विधि-
जुताई, ट्रेप क्रॉप
क्रॉप, फसल चक्र
विधि-
प्रपंच, सोलर प्रपंच
ट्रेप, टी-आकार की
चिपे प्रपंच
विधि-
बी. टी. (बेसीलस
डायपेल, हाल्ट, बायोलेप,
2. एन.पी.वी.:- चना/
ब्यूवेरिया बेसियाना:-
ब्यूवेरिया।
विरिडी:-

STAFF ROOM
HEALTH PLUS

योजना (SCSP) के अन्तर्गत
संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 फरवरी, 2024
विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
प्राकृतिक खेती
मिलेट्स (श्री अन्न)
मिलेट्स (श्री अन्न) के प्रकार
मूल्य संवर्धित उत्पाद
कृषि विज्ञान केन्द्र

16 फरवरी, 2024
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
प्राकृतिक खेती
नीमास्त्र

राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केन्द्र,
भा.कृ.अनु.प.- नई दिल्ली
NCIPM
अनुसूचित जाति- उपयोजना (SCSP) के अन्तर्गत
किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 फरवरी, 2024
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केन्द्र,
भा.कृ.अनु.प.- नई दिल्ली
अनुसूचित जाति- उपयोजना (SCSP) के अन्तर्गत
किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 जनवरी, 2024
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केन्द्र,
भा.कृ.अनु.प.- नई दिल्ली
अनुसूचित जाति- उपयोजना (SCSP) के अन्तर्गत
किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 फरवरी, 2024
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केन्द्र,
भा.कृ.अनु.प.- नई दिल्ली
अनुसूचित जाति- उपयोजना (SCSP) के अन्तर्गत
किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 फरवरी, 2024
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केन्द्र,
भा.कृ.अनु.प.- नई दिल्ली
NCIPM
अनुसूचित जाति- उपयोजना (SCSP) के अन्तर्गत
किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 फरवरी, 2024
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केन्द्र,
भा.कृ.अनु.प.- नई दिल्ली
NCIPM
अनुसूचित जाति- उपयोजना (SCSP) के अन्तर्गत
किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 फरवरी, 2024
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
ICAR
DKVAAS

राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केन्द्र,
भा.कृ.अनु.प.- नई दिल्ली
NCIPM
अनुसूचित जाति- उपयोजना (SCSP) के अन्तर्गत
किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 फरवरी, 2024
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
DKVAAS
कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन
DKVAAS

राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केन्द्र,
भा.कृ.अनु.प. - नई दिल्ली
NCIPM
अनुसूचित जाति- उपयोजना (SCSP) के अन्तर्गत
किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 फरवरी, 2024
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केन्द्र,
भा.कृ.अनु.प.- नई दिल्ली
NCIPM
अनुसूचित जाति- उपयोजना (SCSP) के अन्तर्गत
किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 फरवरी, 2024
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केन्द्र,
भा.कृ.अनु.प.- नई दिल्ली
NCIPM
अनुसूचित जाति- उपयोजना (SCSP) के अन्तर्गत
किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 फरवरी, 2024
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
DKVAAS
ICAR
कृषि विज्ञान केन्द्र,
HYMATIC
MECHANICAL SPRAYER

NCIPM
अनुसूचित जाति- उपयोजना (SCSP) के अन्तर्गत
किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 फरवरी, 2024
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
DKVAAS
कृषि विज्ञान केन्द्र,
भाकृअनुप
ICAR
HYMATIC
MECHANICAL SPRAYER

राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केन्द्र,
भा.कृ.अनु.प.- नई दिल्ली
NCIPM
अनुसूचित जाति- उपयोजना (SCSP) के अन्तर्गत
किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 फरवरी, 2024
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
DKVAAS
HYMATIC
MECHANICAL SPRAYER
IIT ENGINEERS ENTERPRISE
ICAR
DKVAAS
भोपाल

राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केन्द्र,
भा.कृ.अनु.प.- नई दिल्ली
NCIPM
अनुसूचित जाति- उपयोजना (SCSP) के अन्तर्गत
किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 फरवरी, 2024
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केन्द्र,
भा.कृ.अनु.प.- नई दिल्ली
NCIPM
अनुसूचित जाति- उपयोजना (SCSP) के अन्तर्गत
किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 फरवरी, 2024
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
रायसेन

भा.कृ.अनु.प.- नई दिल्ली
NCIPM
अनुसूचित जाति- उपयोजना (SCSP) के अन्तर्गत
किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 फरवरी, 2024
HYMATIC
MECHANICAL SPRAYER

राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केन्द्र,
भा.कृ.अनु.प.- नई दिल्ली
NCIPM
अनुसूचित जाति- उपयोजना (SCSP) के अन्तर्गत
किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम
16 फरवरी, 2024
कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)
HYMATIC
DKVAAS

किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम में 90 किसान हुए शामिल

रासायनिक की बजाय जैविक व प्राकृतिक खेती को अपनाएं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायसेन. कृषि विज्ञान केन्द्र एवं भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष चन्द्र ने कहा कि किसानों द्वारा फसल उत्पादन में रासायनिक उर्वरक, खरपतवार नाशक व कीटनाशकों का अत्यधिक मात्रा में उपयोग किया जा रहा हैं। जिसका मानव स्वास्थ्य व मृदा की उर्वर क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि फसलों में कीट नियंत्रण के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक के अंतर्गत सस्य विधि, प्रकाश प्रपंच, फेरोमेन ट्रेप, एनपीवी वायरस, व्युवेरिया बेसियाना तकनीकों का उपयोग करें। उन्होंने वर्तमान परिवेश में प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह दी। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अजंता बिराह ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति के किसानों को कम लागत तकनीक का उपयोग कराकर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार व आय में वृद्धि करना हैं। फसल विविधीकरण के अंतर्गत धान, गेहूं के अलावा उद्यानिकी फसलें, अदरक, हल्दी, धनिया, लहसुन एवं फलदार पौधे, पशुपालन एवं मत्स्य पालन करने का आह्वान किया।

दलहन विकास निदेशालय भोपाल से आए डॉ. एके शिवहरे ने कहा कि रायसेन जिले में दलहनी फसलों में एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक को अपनाकर लागत में कमी व अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता हैं। डॉ. स्वप्निल दुबे ने बताया कि किसानों को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए व एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक के प्रचार-प्रसार के लिए ग्राम समनापुर कला एवं पीपलपानी से चयनित किसानों को अनसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत कृषि आदान बीजउपचार दवा, कीटनाशक, खरपतवारनाशक दवा, बीज उपचार के लिए तिरपाल एवं दवा छिड़काव के लिए स्प्रेयर पंप का वितरण किया। कार्यशाला में ग्राम समनापुर कला, पीपलपानी, बांसादेही के लगभग 90 किसान शामिल हुए। कार्यक्रम में डॉ. राकेश कुमार, एनपी सुमन, डॉ. स्वप्निल दुबे, डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी, रंजीत सिंह राघव, अंशुमान गुप्ता, आलोक कुमार सूर्यवंशी, लक्ष्मी चक्रवर्ती, डॉ. ब्रह्मानंद शुक्ला, पंकज भार्गव, सुनील केथवास व अरुणा सोमकुंवर मौजूद रहे।

रायसेन. किसानों को बीज और पंप स्प्रे का किया वितरण।

स्टार समाचार भोपाल, शनिवार 17 फरवरी 2024

किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम हुआ संपन्न, जिले के लगभग 90 कृषकों ने लिया भाग

कृषि रसायनों का संतुलित मात्रा एवं सही समय में उपयोग आवश्यक : सुभाष चंद्र

स्टार समाचार | रायसेन

कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन एवं भा.कृ.अनु.प.राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसंधान केन्द्र नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष चंद्र, निदेशक, डॉ.अजन्ता बिराह, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. राकेश कुमार, भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली, डॉ.ए.के. शिवहरे संयुक्त निदेशक, दलहन विकास निदेशालय, एन.पी. सुमन उप संचालक कृषि,डॉ स्वप्निल दुबे वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख,डॉ प्रदीप कुमार द्विवेदी, रंजीत सिंह राघव,डॉ. अंशुमान गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती की पूजा अर्चना व दीप प्रज्वलन कर किया गया। अतिथियों का स्वागत जिले की पहचान बासमती चावल व श्री अन्न कोदो का पोहा देकर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.सुभाष चन्द्र ने कहा कि कृषकों द्वारा फसल उत्पादन में रसायनिक उर्वरक, खरपतवारनाशक व कीटनाशकों का अत्यधिक मात्रा में उपयोग किया जा रहा है। जिसका मानव स्वास्थ्य व मृदा की उर्वरता क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कृषकों से आवहान किया कि फसलों में कीट नियंत्रण हेतु एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक के अन्तर्गत सस्य विधि, प्रकाश प्रपंच, फेरोमेन ट्रेप, एन.पी.व्ही. वायरस, व्युवेरिया बेसियाना तकनीकों का उपयोग करें एवं वर्तमान परिवेश में प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह दी। डॉ. अजन्ता बिराह, प्रधान वैज्ञानिक ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति के कृषकों को कम लागत तकनीक का उपयोग कराकर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार व आय में वृद्धि करना है एवं फसल विविधीकरण के अंतर्गत धान, गेहूं के अलावा उद्यानिकी फसलें, अदरक, हल्दी, धनिया, लहसुन एवं फलदार पौधे, पशुपालन एवं मत्स्य पालन करने का आवाहन किया।

दलहन विकास निदेशालय, भोपाल से आये डॉ. ए.के. शिवहरे ने कहा कि रायसेन जिले में दलहनी फसलों में एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक को अपनाकर लागत में कमी व अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। एन.पी. सुमन उप संचालक कृषि ने कहा कि रायसेन जिले में एक जिला एक उत्पाद के तहत बासमती चावल एवं टमाटर के प्रसंस्करण पर भी कार्य किया जा रहा है।

डॉ. स्वप्निल दुबे ने कहा कि किसानों को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए व एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक के प्रचार-प्रसार हेतु ग्राम समनापुर कला एवं पीपलपानी से चयनित किये गये कृषकों को अनसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत कृषि आदान बीजउपचार दवा, कीटनाशक,खरपतवारनाशक दवा, बीज उपचार के लिए तिरपाल एवं दवा छिड़काव के लिए स्प्रेयर पम्प का वितरण किया गया। डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी द्वारा फसलों के मित्र कीट, मकड़ी, लेडी बर्ड बीटल, क्राइसोपा, मधुमक्खी से सम्बन्धित जानाकरी व आर्थिक क्षति स्तर के आधार पर जैविक व प्राकृतिक खेती सम्बन्धी जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन डॉ. मुकुल कुमार के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम ग्राम समनापुर कला, पीपलपानी, बांसादेही के लगभग 90 कृषकों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय हिन्दी मेल
दिनांक- 17/02/2024 पृष्ठ क्रमांक- 7 संस्करण- भोपाल प्रधान संपादक- विजय कुमार दास

निदेशक ने किसानों से किया संवाद, प्राकृतिक खेती अपनाने की दी सलाह

कृषि विज्ञान केन्द्र में किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण का हुआ अयोजन

रायसेन। कृषि विज्ञान केन्द्र ग्राम नकतरा में राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसंधान केन्द्र नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ सुभाष चंद्र निदेशक, डॉ अजन्ता बिराह प्रधान वैज्ञानिक,डॉ राकेश कुमार राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसंधान केन्द्र नई दिल्ली,डॉ एके शिवहरे संयुक्त निदेशक,दलहन विकास निदेशालय ,वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ स्वप्निल दुबे, डॉ प्रदीप कुमार द्विवेदी, रंजीत सिंह राघव,डॉ अंशुमान गुप्ता प्रमुख रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष चन्द्र ने कहा कि कृषकों द्वारा फसल उत्पादन में रसायनिक उर्वरक,खरपतवारनाशक व कीटनाशकों का अत्यधिक मात्रा में उपयोग किया जा रहा है। जिसका मानव स्वास्थ्य व मृदा की उर्वरता क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कृषकों से आवहान किया कि फसलों में कीट नियंत्रण हेतु एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक के अन्तर्गत सस्य विधिए प्रकाश प्रपंच, फेरोमेन ट्रेप, एनपीव्हीण् वायरस, व्युवेरिया बेसियाना तकनीकों का उपयोग करें एवं वर्तमान परिवेश में प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह दी ।

जिले के किसानों को बनाया जा रहा सशक्त व आत्मनिर्भर

कार्यक्रम में डॉ.स्वप्निल दुबे ने कहा कि किसानों को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए व एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक के प्रचार-प्रसार के लिए ग्राम समनापुर कला एवं पीपलपानी से चयनित किये गये कृषकों को अनसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत कृषि आदान बीजउपचार दवा,कीटनाशक,खरपतवारनाशक दवा,बीज उपचार के लिए तिरपाल एवं दवा छिड़काव के लिए स्प्रेयर पम्प का वितरण किया गया। वही डॉ.प्रदीप कुमार द्विवेदी द्वारा फसलों के मित्र कीट, मकड़ी,लेडी बर्ड बीटल,क्राइसोपा, मधुमक्खी से सम्बन्धित जानाकरी व आर्थिक क्षति स्तर के आधार पर जैविक व प्राकृतिक खेती सम्बन्धी जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन डॉ.मुकुल कुमार के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम ग्राम समनापुर कला,पीपलपानी, बांसादेही के लगभग 90 कृषकों ने भाग लिया।

रायसेन ब्यूरो, विनीत माहेश्वरी
मो. 9981322343

Date: 17/02/2024, Page: 7, City: Bhopal
URL: epaper.rashtriyahindimail.in
राष्ट्रीय हिन्दी मेल

दैनिक
नईदुनिया
भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

वर्ष- 77
(भोपाल : वर्ष 39 अंक 79,पृष्ठ 12)
रविवार 17 फरवरी 2024
राजधानी संस्करण
कीमतः 3:00 रुपये
www.naiduniaonline.com

फसलों में कीट व रोग प्रबंधन तकनीक को अपनाना आवश्यकः डॉ. सुभाष चंद्र

रायसेन।

कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन एवं भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष चंद्र, निदेशक, डॉ.अजन्ता बिराह, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. राकेश कुमार, भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली, डॉ. ए.के. शिवहरे, संयुक्त निदेशक, दलहन विकास निदेशालय, श्री एन.पी. सुमन, उप संचालक कृषि, डॉ स्वप्निल दुबे, वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख, डॉ प्रदीप कुमार द्विवेदी, श्री रंजीत सिंह राघव, डॉ. अंशुमान गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष चन्द्र ने कहा कि कृषकों द्वारा फसल उत्पादन में रसायनिक उर्वरक, खरपतवारनाशक व कीटनाशकों का अत्यधिक मात्रा में उपयोग किया जा रहा है। जिसका मानव स्वास्थ्य व मृदा की उर्वरता क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कृषकों से आवहान किया कि फसलों में कीट नियंत्रण हेतु एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक के अन्तर्गत सस्य विधि, प्रकाश प्रपंच, फेरोमेन ट्रेप, एन.पी.व्ही. वायरस, व्युवेरिया बेसियाना तकनीकों का उपयोग करें एवं वर्तमान परिवेश में प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह दी । डॉ. अजन्ता बिराह, प्रधान वैज्ञानिक ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति के कृषकों को कम लागत तकनीक का उपयोग कराकर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार व आय में वृद्धि करना है एवं फसल विविधीकरण के अंतर्गत धान, गेहूं के अलावा उद्यानिकी फसलें, अदरक, हल्दी, धनिया, लहसुन एवं फलदार पौधे, पशुपालन एवं मत्स्य पालन करने का आवाहन किया श्री एन.पी. सुमन, उप संचालक कृषि ने कहा कि रायसेन जिले में एक जिला एक उत्पाद के तहत बासमती चावल एवं टमाटर के प्रसंस्करण पर भी कार्य किया जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए डॉ. स्वप्निल दुबे ने कहा कि किसानों को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए व एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक के प्रचार-प्रसार हेतु ग्राम समनापुर कला एवं पीपलपानी से चयनित किये गये कृषकों को अनसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत कृषि आदान बीजउपचार दवा, कीटनाशक, खरपतवारनाशक दवा, बीज उपचार के लिए तिरपाल एवं दवा छिड़काव के लिए स्प्रेयर पम्प का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री आलोक कुमार सूर्यवंशी, श्रीमती लक्ष्मी चक्रवर्ती, डॉ. ब्रहमा नंद शुक्ला, श्री पंकज भार्गव, श्री सुनील केथवास व श्रीमती अरूणा सोमकुंवर का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रायसेन एक्सप्रेस

सांची ■ सिलवानी ■ शाहपुर ■ बेगमगंज

भोपाल
शनिवार, 17 फरवरी, 2024

किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम

कृषकों को फसलों में समन्वित कीट, रोग प्रबंधन तकनीक को अपनाना आवश्यक : डॉ सुभाष चंद्र

रायसेन ■ राज न्यूज नेटवर्क

कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन एवं भाकृअनुप राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसंधान केन्द्र नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत किसान संगोष्ठी एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ सुभाष चंद्र निदेशक डॉ अजन्ता बिराह प्रधान वैज्ञानिक डॉ राकेश कुमार राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसंधान केन्द्र नई दिल्ली डॉ एके शिवहरे संयुक्त निदेशक दलहन विकास निदेशालय एनपी सुमन उप संचालक कृषि डॉ स्वप्निल दुबे वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डॉ प्रदीप कुमार द्विवेदी रंजीत सिंह राघव डॉ अंशुमान गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा अर्चना व दीप प्रज्वलन कर किया गया। अतिथियों का स्वागत जिले की पहचान बासमती चावल व श्री अन्न कोदो का पोहा देकर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ सुभाष चन्द्र ने कहा कि कृषकों द्वारा फसल उत्पादन में रसायनिक उर्वरक खरपत वारनाशक व कीटनाशकों का अत्यधिक मात्रा में उपयोग किया जा रहा है।

जिसका मानव स्वास्थ्य व मृदा की उर्वरता क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कृषकों से आह्वान किया कि फसलों में कीट नियंत्रण हेतु एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक के अन्तर्गत सस्य विधि प्रकाश प्रपंच फेरोमेन ट्रेप एनपीव्ही वायरस व्युवेरिया बेसियाना तकनीकों का उपयोग करें एवं वर्तमान परिवेश में प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह दी ।डॉ अजन्ता बिराह प्रधान वैज्ञानिक ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति के कृषकों को कम लागत तकनीक का उपयोग कराकर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार व आय में वृद्धि करना है एवं फसल विविधीकरण के अंतर्गत धान, गेहूं के अलावा उद्यानिकी फसलें अदरक हल्दी धनिया लहसुन एवं फलदार पौधे पशुपालन एवं मत्स्य पालन करने का आवाहन किया। दलहन विकास निदेशालय भोपाल से आये डॉ एकेशिवहरे ने कहा कि रायसेन जिले में दलहनी फसलों में एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक को अपनाकर लागत में कमी व अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। एनपी सुमन उप संचालक कृषि ने कहा कि रायसेन जिले में एक जिला एक उत्पाद के तहत बासमती चावल एवं टमाटर के प्रसंस्करण पर भी कार्य किया जा रहा है। डॉ स्वप्निल दुबे ने कहा कि किसानों को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए व एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक के प्रचार.प्रसार हेतु ग्राम समनापुर कला एवं पीपलपानी से चयनित किये गये कृषकों को अनसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत कृषि आदान बीज उपचार दवा कीटनाशक खरपतवारनाशक दवा बीज उपचार के लिए तिरपाल एवं दवा छिड़काव के लिए स्प्रेयर पम्प का वितरण किया गया। डॉ प्रदीप कुमार द्विवेदी द्वारा फसलों के मित्र कीट मकड़ी लेडी बर्ड बीटल क्राइसोपा मधुमक्खी से सम्बन्धित जानाकारी व आर्थिक क्षति स्तर के आधार पर जैविक व प्राकृतिक खेती सम्बन्धी जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का संचालन व डॉ मुकुल कुमार के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम ग्राम समनापुर कला पीपलपानी बांसादेही के लगभग 90 कृषकों ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आलोक कुमार सूर्यवंशी श्रीमती लक्ष्मी चक्रवर्ती डॉ ब्रह्मा नंद शुक्ला पंकज भार्गव सुनील केथवास व श्रीमती अरूणा सोमकुंवर का महत्वपूर्ण योगदान रहा।